[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6015 **G**

Unique Paper Code : 62051313

Name of the Paper : Hindi : B

Name of the Course : **B.A. (Program)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. उपन्यास के स्वरूप पर विचार करते हुए प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिंदी निबंध के विकास का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

2. 'बूढ़ी काकी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। (12)

P.T.O.

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'सदाचार का ताबीज' निबंध के कथ्य को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'ठेले पर हिमालय' निबंध में लेखक द्वारा अभिव्यक्त सौंदर्यमयी दृष्टि का विश्लेषण कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

महादेवी वर्मा के 'बिबिया' पात्र का चरित्र चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

5. किन्हीं **'दो'** की व्याख्या कीजिए : (10+10)

(क) सेत सेत सम एक से, जहां कपूर कपास।
ऐसे देश कुदेस में कबहुँ न कीजै बास।।
कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इंद्रायन दाड़िम विषय, जहाँ न नेकु विवेक।।
बसि ये ऐसे देस नहिं कनक-वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुख पाइये प्रान, दीजिए रोय।।

(ख) बरामदे में पहुंचते ही शामनाथ सहसा ठिठक गए। जो दृश्य उन्होंने देखा, उनकी टांगे लड़खड़ा गई, और क्षण भर में सारा नशा हिरन होने लगा। बरामदे में ऐन कोठरी के बाहर मां अपनी कुर्सी पर ज्यों की त्यों बैठी थी। मगर दोनों पांव कुर्सी की सीट पर रखे हुए, और सिर दाएं से बाएं और बाएं से दाएं झूल रहा था और मुह में से लगातार गहरे खर्राटों की आवाजें आ रही थी। जब सिर कुछ देर के लिए टेढ़ा होकर एक तरफ को थम जाता तो खर्राटे और भी गहरे हो उठते और फिर जब झटके से नींद टूटती, तो सिर फिर दाएं से बाएं झुलने लगता। पल्ला सिर पर से खिसक आया था और मां के झड़े हुए बाल, आधे गंजे सिर पर अस्त-व्यस्त बिखर रहे थे।

(ग) संसार का जब यही रंग है तो ऊंट पर चढ़ने वाले सदा ऊंट ही पर चढ़े यह कुछ बात नहीं। किसी की पुरानी बात यो खोलकर कहने से आजकल के कानून से हतक-इज्जत हो जाती है। तुम्हें खबर नहीं कि अब मारवाड़ियों ने "एसोसिएशन" बना ली है। अधिक बलबलाओगे तो वह रिजोल्यूशन पास करके तुम्हें मार-धाड़ से निकलवा देंगे। अतः तुम उनका कुछ गुणगान

करो जिसे वह तुम्हारे पुराने हक को सराहे और जिस प्रकार लॉर्ड कर्जन ने किसी जमाने के "ब्लैकहोल" को उस पर लाट बनवा कर और उसे संगमरमर से मंडवा कर शानदार बना दिया है उसी प्रकार मारवाड़ी तुम्हारे लिए मखमली काठी, जरी की गद्दियां, पत्रों की नकेल और सोने की घंटियां बनवा कर तुम्हें बड़ा करेंगे और अपने बड़ों की सवारी का सम्मान करेंगे।

6. निम्नलिखित किसी **'एक'** पर टिप्पणी लिखिए : (7)

(i) प्रेमचंदयुगीन कहानी

(ii) प्रसादोत्तर नाटक

(iii) रेखाचित्र